



# MODERN SANSKRIT

## A Classroom for Sanskrit

(YouTube Channel)



## उच्च माध्यमिक द्वादश श्रेणीर संस्कृत साजेशन-2023

### गद्यांश

#### आर्यावर्तवर्णनम्

- \*\*\*आर्यावर्तेर वर्णना
- \*\*\*आर्यावर्तवर्णनम् पार्थांगश हते प्रजादेर दीर्घजीवनेर कारण
- \*\*\*आर्यावर्तवर्णनम् अनुसारे स्वर्ग ओ आर्यावर्तेर तुलना करे आर्यावर्तेर विशिष्टता प्रतिपादन

#### बनगता गुहा

- \*\*बनगतागुहा गल्लांश अबलम्बने कश्यप ओ अलिपर्वार आर्थिक अवस्वार वर्णना
- \*\*अलिपर्वार संश्लिष्ट संग्रामी जीवनेर परिचय
- \*गुहाभ्यन्तरे प्रवेश करे अलिपर्वा की की देखेछिल
- \*बनगता गुहा गल्लेर सारसंक्षेप

### पद्यांश

#### गङ्गास्तोत्रम्

- \*\*\*गङ्गास्तोत्रम्-ए येभावे गङ्गार वर्णना करा हयेछे ता लेखो
- \*\*श्री गङ्गास्तोत्रम् : विषयवस्तु
- \*श्रीगङ्गास्तोत्रम् पौराणिक काहिनी-शङ्करमौलिबिहारिणी गङ्गादेवीर विशेषण

#### कर्मयोगः

- \*\*\*कर्मयोगः अनुसारे कर्मेर माहात्म्य वा कर्मेर उपदेश
- \* तांपर्य वर्णना -स्वधर्मे निधनं श्रेयः परधर्मो भयावहः

### नाट्यांश

#### वासन्तिकस्वप्नम्

1. \*\*\*वासन्तिकस्वप्नम् नाटके राजा इन्द्रवर्मा ओ कोमुदीर कथोपकथन
2. \*\*\*वासन्तिकस्वप्नम् नाट्यांश अबलम्बने राजा इन्द्रवर्मार चरित्र आलोचना कर
3. \*कनकलेखार चरित्र
4. \*\*कथय वासु किंवा युक्तुं समयविरुद्धाचरणम्
5. \*इन्दुशर्मार चरित्र
6. \*नाडिकापि युगायते - तांपर्य बाध्या
7. \*वासन्तिकस्वप्नम्-नाटकेर प्रथम तिनटि श्लोकेर भावार्थ
8. \*\*वासन्तिकस्वप्नम् नाट्यांशेर नामकरणेर सार्थकता-
9. \*वासन्तिकस्वप्नम् नाट्यांश अबलम्बने राजा इन्द्रवर्मार मनोभाव

Extra

# साहित्येऱ इतिहास

## वैज्ञानिक साहित्य

1. \*\*\*आर्यभट्ट
2. \*\*\*बराहमिहिर
3. \*\*\*सूत्रत संगिता

## Extra

- 1) \*प्राचीन भारते आयुर्वेद चर्चाऱ परिचय or प्राचीन भारते चिकित्साशास्त्रेऱ चर्चा
- 2) \*प्राचीन भारतेऱ गणितचर्चा or प्राचीन भारतेऱ गणितचर्चा एवं ज्योतिर्विद्या

## ध्रुपदि साहित्य

- \*\*\*शूद्रकेऱ मूच्छकटिक
- \*\*\*श्वल्लवासवदत्ता
- \*\*\*भास समस्या
- \*\*\*गीतिकाव्य

## भावसम्प्रसारण

## आर्यावर्तवर्णनम्

- 1.\*\*\*देशः पुण्यतमोदेशः कस्यासो न प्रियो भवेः।  
युक्तोहनुक्तोशसम्पन्नैयो जनैर्विभ योजनैः।
- 2.\*\*\*भवन्ति फाल्गुने मासि वृश्चशाखा विपल्लवाः

## गङ्गास्रोत्रम्

- a) \*\*\*“मातर्गङ्गे ह्ययि यो भक्तः किल तं द्रष्टुं न यमः शक्तः”।
- b) \*\* ह्यमसि गतिमम थलु संसारे।
- (c) \*\*तव चेन्मातः स्रोतः स्नातः पुनरपि जटरे सोऽपि न जातः।
- (d) \*\*कल्पलतामिव फलदां लोके।

## कर्मयोगः

- (a) \*\*कर्मन्दिशानि संयम्य य आस्ते मनसा श्वरन्।  
इन्द्रियार्थान विमूढास्त्रा मिथ्याचारः स उच्यते।
- (b) \*\*\*” न कर्मणामनारम्भान्नैष्क्यं पुरुषोहस्रुते ।।  
नकर्मणामनारम्भान्नैष्क्यं पुरुषोहस्रुते।
- (c) \*\*\*” श्वधर्मे निधनं श्रेयः परधर्मो भयावहः” ।
- (d) \*\* श्रेयान् स्वधर्मा विगुणः परधर्मात् स्वनुष्ठितात् ।  
स्वधर्मं निधनं श्रेयः परधर्मो भयावहः।
- (e) \*\* न च सन्नसनादेव सिद्धि समधिगच्छति

## वनगता गुहा

- \*\*ततः परं दैवस्यायतम्।

## ভাষাতত্ত্ব

- 1) \*\*\*ইন্দো-ইউরোপীয় ভাষাগোষ্ঠী সম্পর্কে একটি সংক্ষিপ্ত প্রবন্ধ লেখো।
- 2) \*ইন্দো-ইউরোপীয় ভাষাগোষ্ঠীর প্রধান বিভাজন কীসের ভিত্তিতে করা হয়েছে উদাহরণ-সহ লেখো।
- 3) \*\*ইন্দো-ইউরোপীয় ভাষাগোষ্ঠীতে সংস্কৃতের স্থান নির্ধারণ করো।
- 4) \*ইন্দো-ইউরোপীয় ভাষাগোষ্ঠীর মধ্যে ভারতীয় আর্য ভাষার পার্থক্য লিখ।
- 5) \*ভারতে প্রচলিত চারটি ভাষাবংশের নাম লেখো এবং তাদের সংক্ষিপ্ত পরিচয় দাও।

. Visit Our Website – [modernsanskrit.com](http://modernsanskrit.com)

